

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
06.08.2015 को राज्य सभा में  
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 1929.

भारत-अमरीका और श्रीलंका के बीच परमाणु विद्युत के लिए समझौता

1929. श्री पलवई गोवर्धन रेड्डी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) वर्ष 2032 तक 63,000 मेगावाट विद्युत के लक्ष्य को प्राप्त करने में भारत और अमरीका तथा श्रीलंका के बीच समझौता किस हद तक सहायक है;
- (ख) निर्माण के विभिन्न चरणों के अंतर्गत आने वाली विद्युत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
- (ग) उपरोक्त में से प्रत्येक परियोजना कब विद्युत उत्पादन शुरू कर देगी; और
- (घ) मंत्रालय 7-8 वर्षों के स्थान पर 4-5 वर्षों में रिएक्टरों के निर्माण के लिए क्या प्रयास कर रहा है?

उत्तर

राज्य मंत्री. कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय ( डॉ. जितेन्द्र सिंह ) :

- (क) भारत और संयुक्त राज्य अमरीका ने हाल ही में, असैन्य नाभिकीय दायित्व के, तथा नाभिकीय ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोगों से संबंधित सहकार हेतु भारत - संयुक्त राज्य अमरीका के बीच अक्टूबर, 2008 में हस्ताक्षरित करार के क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक व्यवस्था से संबद्ध मुद्दों पर एक समझौता किया है। इससे हम अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से भारत में रिएक्टरों की स्थापना हेतु वाणिज्यिक बातचीत कर पाएंगे, तथा अतिरिक्त नाभिकीय विद्युत उत्पादन क्षमता हासिल कर पाएंगे, अन्यथा, हमारे घरेलू यूरेनियम संसाधनों की अपर्याप्तता के कारण अड़चन आती, जिसके फलस्वरूप हमें वर्ष 2032 तक 63,000 मेगावाट नाभिकीय विद्युत उत्पादन के हमारे लक्ष्य के निकट पहुँचने में मदद मिलेगी।

नाभिकीय ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोगों के संबंध में सहयोग पर, श्रीलंका के साथ हमारा नवीनतम करार, मुख्यतः कुछ क्षेत्रों, यथा क्षमता निर्माण, मानव संसाधन विकास, सामाजिक लाभ हेतु रेडियोआइसोटोपों के प्रयोग, नाभिकीय संरक्षा, अपशिष्ट प्रबंधन, आपदा के प्रभाव को कम करने इत्यादि से संबंधित है। इसमें नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की स्थापना की परिकल्पना शामिल नहीं है।

- (ख) वर्तमान में कुल 4300 मेगावाट क्षमता वाले छः रिएक्टर निर्माण/कमीशनिंग के विभिन्न चरणों में हैं।  
तथा इन रिएक्टरों का विवरण नीचे सारणीबद्ध किए गए अनुसार है :
- (ग)

परियोजना	अवस्थिति	क्षमता (मेगावाट)	पूर्णता की प्रत्याशित तारीखें
कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना यूनिट -2	कुडनकुलम, तमिलनाडु	1x1000	2015-2016
ककरापार परमाणु विद्युत परियोजना यूनिट 3 तथा 4 (केएपीपी 3 तथा 4)	ककरापार, गुजरात	2x700	2017-2018
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना यूनिट 7 तथा 8 (आरएपीपी 7 तथा 8)	रावतभाटा, राजस्थान	2x700	2018-2019
प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर	कलपाक्कम	1x500	2015-2016

- (घ) स्वदेशी रिएक्टरों को अच्छे से अच्छे तरीके से पूरा करने के प्रयासों में, डिजाइन का मानकीकरण, लम्बे समय में प्राप्त होने वाली सामग्रियों हेतु अग्रिम आदेश देना, अंतराफलक मुद्दों को कम करने के लिए बड़े पैकेज वाले अनुबंधों को क्रियान्वित करना, प्रगति की नियमित रूप से बहु-स्तरीय निगरानी, तथा रिएक्टर के बनकर तैयार होने की अवधि को कम करने हेतु अड़चनों का समाधान समय से किया जाना शामिल है।

\*\*\*\*\*